कोए दे स बोल मन्नै री,
जब आधी रात ढले काली।।

मेरे ना की घाल घालदी,
अंबर में आग बालदी,
तेरा ले क नाम चालती,
या क्युकर ढली ढले काली,
कोई दे स बोल मन्नै री,
जब आधी रात ढले काली।।

एक बल: गगन में हांडी,
सेवड़े ने चिती मांडी,
महार: खड़ी बगड़ में जांडी,
उकी फुंगल आप जले काली,
कोई दे स बोल मन्नै री,
जब आधी रात ढले काली।।

मन्नै ढाई घड़ी सं टाली,
इब आगे तुहे रूखाली,
दया करीयो खपर आली,
या दुनिया हाथ मले काली,
कोई दे स बोल मन्नै री,
जब आधी रात ढले काली।।

अशोक भक्त में खेली,
तन्नै दया राज की ले ली,
या रामभजन की चैली,
तेरा लावण भोग चले काली,
कोई दे स बोल मन्नै री,
जब आधी रात ढले काली।।

कोए दे स बोल मन्नै री,
जब आधी रात ढले काली।।

गायक नरेंद्र कौशिक जी।
राकेश कुमार जी।
खरक जाटान (रोहतक)
9992976579

Source:
https://www.bharattemples.com/koy-de-se-bol-manne-ri-jab-aadhi-rat-dhale-kali/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples

Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw